हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 5 अप्रैल 2025

13 स्वस्थ मनोस्थिति से ही व्यक्ति, समाज संस्थान व देश होगा...

14 साइक्लोथॉनः 2.0 जिले में 7 को पहुंचेगी पुलिस ने जारी किया रूट...

MR SCHOOL
Affiliated to CBSE
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
कोटा की FACULTY अब MR SCHOOL ATELI में
JEE / NEET COACHING with KOTA Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
अब MR में स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

बुजुर्गों की सम्मान भत्ता राशि भी इनकम में शामिल हो रही, पिछले माह 38 बीपीएल राशन हो गए कम

- परिवार पहचान पत्र विभाग ने बुजुर्गों के सम्मान भत्ते को इनकम में जोड़कर अपमान का कार्य कर रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सन 1987 में चौधरी देवी लाल की सरकार ने बुजुर्गों को 100 रुपये सम्मान भत्ता देने की योजना शुरू की थी, जो अब 3000 रुपये मिल रही है। बीपीएल राशन कार्ड को लेकर हाल ही विधानसभा सत्र में विपक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया। उस समय मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी ने विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण को विश्वास दिलाया कि योजना में हुई गलती को तुरंत ठीक कर लिया जाएगा। विधानसभा सत्र खत्म होते ही विभाग द्वारा नागरिकों को अनियमित तरीके से संदेश भेजने शुरू कर दिए गए। जिसमें अपनी आय विवरण या परिवार का कृत्रिम विभाजन को सही करने के बारे में सूचित किया गया।

आपको बता दें कि परिवार पहचान पत्र के जरिए ही नागरिकों को प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त होता है। जिन परिवारों की आय परिवार पहचान पत्र में एक लाख अस्सी हजार से कम है, ऐसे परिवारों को गरीबी रेखा से नीचे रखा गया है।

एक लाख अस्सी हजार से तीन लाख तक की आय वाले परिवारों को साधारण परिवार में रखा गया है। जिन परिवारों की आय तीन लाख से अधिक है ऐसे परिवारों को श्रेष्ठ परिवारों में रखा गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में पेंशन के लिए परिवार पहचान पत्र में तीन लाख आय तक शर्त रखी गई है। नागरिकों की आय गणना के लिए दो प्रकार की कमेटी बनाई गई, जिसमें प्राथमिक स्तर पर लोकल कमेटी आय का सत्यापन करती है।

यदि कोई परिवार लोकल कमेटी के आय सत्यापन से संतुष्ट नहीं है तो सीएससी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से सेक्टर कमेटी को अपील कर सकता है। इसके बाद सेक्टर कमेटी उस परिवार की आय का दोबारा सत्यापन करती है। इसके बाद परिवार के पास आय सुधार का केवल एक ही ऑप्शन रहता है। आय सुधार के लिए परिवार का कोई भी वयस्क सदस्य एडीसी कार्यालय में लिखित रूप से प्रार्थना पत्र दें सकता है।

नारनौल। चार अप्रैल को प्रकाशित समाचार।

बुजुर्गों के सम्मान भत्ते को दिखाया इनकम

सरकार द्वारा बुजुर्गों को तीन हजार प्रति माह सम्मान भत्ता दिया जाता है जो चौधरी देवी लाल ने 1987 में लागू किया था। विभाग के द्वारा बुजुर्गों को दिए जाने वाले सम्मान भत्ते को परिवार पहचान पत्र की आय में जोड़ा जा रहा है। बुजुर्गों का कहना है कि सरकार सम्मान के रूप में भत्ता देने का कार्य कर रही है। इस तरह नागरिक संसाधन सूचना विभाग द्वारा भत्ते को पारिवारिक आय में जोड़ना सरासर गलत है। ऐसे में विभाग द्वारा बुजुर्गों का अपमान किया जा रहा हैं। जिन बुजुर्गों की उम्र 70 साल के पास या इससे अधिक है उन बुजुर्गों की आय 25 से 50 हजार दिखाई जा रही है।

परिवार पहचान पत्र पोर्टल पर मर्ज का ऑप्शन नहीं

नागरिक संसाधन सूचना विभाग द्वारा नागरिकों के पास परिवार पहचान पत्र में कृत्रिम विभाजन का संदेश दिया गया है लेकिन नागरिकों को विभाग द्वारा शर्तों की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई गई है। परिवार के गलत विभाजन के संदेश देने के बाद भी पोर्टल पर मर्ज का ऑप्शन नहीं दिया गया है। जिससे गलत विभाजन वाले परिवार अपनी गलती को सुधार सके। नागरिकों का कहना है कि विभाग पहले परिवार विभाजन के नियम सार्वजनिक करें, उसके बाद ही नागरिक कृत्रिम विभाजन को समझ सकते है। वैसे तो पोर्टल पर विभाजन के समय ही शर्तें रखी जाती तो अच्छा होता।

अकुशल कर्मचारियों से करवाया गया आय सत्यापन का कार्य

नागरिकों का कहना है कि परिवार पहचान पत्र में अकुशल कर्मचारियों से आय सत्यापन करने का कार्य करवाया गया। विभाग के द्वारा आय सत्यापन के लिए वार्ड या गांववार एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें मतदान बूथ बीएलओ, सीएससी ऑपरेटर, सामाजिक कार्यकर्त्ता, विद्यार्थी, बीडीपीओ ब्लॉक से एक कर्मचारी शामिल होते थे। जो घर घर जाकर परिवार की आय का सत्यापन करते थे। उपरोक्त कमेटी सदस्यों को आय सत्यापन का कोई भी प्रशिक्षण नहीं दिया गया था। केवल अनुमान लगाकर अमीर व गरीब की छंटनी की जाती थी। ऐसे में आय का सही सत्यापन नहीं हुआ और जिले में बीपीएल परिवारों की संख्या बढ़ गई है।

परिवार पहचान पत्र के कृत्रिम विभाजन के समय नहीं कोई शर्त

साल 2023 में परिवार पहचान पत्र का कृत्रिम विभाजन करते समय परिवार में अलग से बिजली कनेक्शन का प्रावधान किया गया था लेकिन फरवरी और अक्टूबर 2024 में परिवार पहचान पत्र के सबसे अधिक कृत्रिम विभाजन हुए, क्योंकि उस समय बिजली कनेक्शन या अन्य कोई शर्त नहीं थी। ऐसे मेंनागरिक कृत्रिम विभाजन को लोकसभा और विधानसभा चुनाव से जोड़ रहे है। सूत्रों की मानें तो अब भी नागरिक संसाधन सूचना विभाग के पास परिवार पहचान पत्र के कृत्रिम विभाजन के कोई नियम नहीं है।

खबर संक्षेप

आज से 5 गांव की बिजली रहेगी बंद

महेंद्रगढ़। सेहलंग पावर हाऊस कि पुरानी वीसीबी मशीन बदलने के चलते पांच गांवों की बिजली दिन के समय बंद रहेगी। सेहलंग पावर हाउस इंचार्ज योगेंद्र ने बताया है कि पांच व छह अप्रैल को दिन के समय बिजली बंद रखेंगे। रात के समय वैकल्पिक व्यवस्था दूसरे के साथ लगने वाले पावर हाउस से की जाएगी। सेहलंग पावर हाउस कि पुरानी वीसीबी मशीन बदली की जा रही है। इसलिए गांव सेहलंग, नौताना, पोता, बागोत व स्याणा की बिजली दिन के समय बंद रहेगी।

कार-बाइक की टक्कर में व्यक्ति की मौत

कनीना। कनीना-नारनौल सड़क मार्ग पर सुंदरह के समीप सड़क हादसे में बाइक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। इस बारे में सुंदरह निवासी नितिन ने दौगड़ा अहीर पुलिस चैकी में दी शिकायत में बताया कि दो अप्रैल को सायं करीब चार बजे उसका पिता धर्मेंद्र कुमार बाइक पर सवार होकर नारनौल से घर आ रहा था। सुदंरह में फिलिंग स्टेशन के समीप पहुंचा तो सामने से तेज गति से आ रही एक कार ने टक्कर मार दी।

बीच सड़क पर खड़े ट्रक से हादसा, जान गई

नारनौल। सड़क पर खड़े वाहन अंधेरे के समय प्राणघातक भी सिद्ध हो सकते हैं। कई बार इस कार दुर्घटनाएं घटित हुई हैं, लेकिन लोग खासकर चालक हैं कि सबक लेने का नाम नहीं ले रहे। एक ऐसे ही हादसे में नीरपुर के करीब 42 वर्षीय सतीश कुमार यादव शिकार हो गए। हुआ यूं कि बीती शाम को करीब 8 बजे वह इक्को गाड़ी से उक्त बाइपास पर लहरोदा की तरफ से अपने गांव नीरपुर जा रहे थे। तब बाइपास पर एक ट्रक हाई स्पीड लाइन पर खड़ा था। अंधेरे के कारण सड़क पर खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और इक्को कार उसे खड़े ट्रक में जा टकराई, जिससे करीब 42 वर्षीय सतीश यादव पुत्र धर्मपाल यादव वासी गांव नीरपुर मौत हो गई।

युवक ने दुकानदार की स्कूटी रोककर गिराया

महेंद्रगढ़। शाम के समय एक दुकानदार स्कूटी से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में कुछ लोगों ने रोककर उसकी स्कूटी को गिरा दिया। शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। खातोद गांव निवासी हुकमचंद ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि सतनाली मोड पर उसकी किराना की दुकान है।

व्यापार मंडल ने सीएम व पुलिस महानिदेशक से की मांग

शहर में लगे सीसीटीवी की मरम्मत की जगी उम्मीद

- वर्ष 2022 में अपराध रोकने के लिए आमजन के सहयोग से शहर में लगाए थे 44 कैमरे
- छह माह बाद खराब होने शुरू हो गए थे कैमरे, पुलिस प्रशासन ने नहीं कराई कैमरों की मरम्मत, अब वारंटी भी हो चुकी है समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

ओशहर में आमजन से सहयोग से अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत की आस जगी है। व्यापार मंडल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री व पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत कराने की मांग की है।

बता दें कि वर्ष 2022 में आमजन के सहयोग से शहर में सार्वजनिक स्थानों पर 44 सीसीटीवी कैमरे लगवाएं गए थे। सार्वजनिक स्थानों पर गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने और अपराध को रोकने के लिए महेंद्रगढ़ में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर अभय को स्थापना की थी। पुलिस ने नारनौल की एक एजेंसी को कैमरों का कार्य दिया था। एजेंसी ने 2 साल की लिखित वारंटी में 2 साल मेंटेनेंस का भी एग्रीमेंट किया था। अक्टूबर 2022 से अक्टूबर 2024 तक इसकी वारंटी थी, लेकिन करीब 6 माह तक कमरे सही चले थे। इस दौरान पुलिस को अपराधियों तक पहुंचने में काफी सहायता भी मिली। छह माह तक सीसीटीवी कैमरों ठीक से काम किया।

महेंद्रगढ़। राव तुलाराम चौक के समीप खराब पड़ा सीसीटीवी। फोटो : हरिभूमि

इसके बाद सीसीटीवी कैमरे खराब होने शुरू हो गए। सीसीटीवी लगवाने वाले लोगों द्वारा कई बार पुलिस प्रशासन को पत्र लिखकर कैमरों की मरम्मत कराने की मांग भी की, लेकिन पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों की ओर से एजेंसी से कैमरों की मरम्मत नहीं कराई गई। अब एजेंसी की मरम्मत की समयावधि पूरी हो चुकी है।

इन स्थानों पर लगाए गए थे कैमरे

महेंद्रगढ़ में पुलिस ने जनसहयोग से क्षेत्र में विभिन्न स्थानों जैसे लघु सचिवालय, राव तुलाराम चौक, सतनाली चौक, ब्रह्मदेव चौक, आजाद चौक, माता मसानी चौक, सब्जी मंडी के पास सहित शहर में अन्य मार्केट क्षेत्र व चौक-चौराहों तथा अन्य संदिग्ध स्थानों पर जन सहयोग से पुलिस विभाग द्वारा वर्ष 2022 में सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए थे। थाना महेंद्रगढ़ में इन सीसीटीवी कैमरों का कंट्रोल रूम बनाया गया है। यह सुविधा लघु सचिवालय में तत्कालीन एएसपी सिद्धांत जैन ने अपने कार्यालय में भी करवाई हुई थी। महेंद्रगढ़ थाने में इसके कंट्रोल रूम का शुभारंभ तत्कालीन पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने 15 नवंबर 2022 को किया था।

कई बार पुलिस प्रशासन को लिखा था पत्र

व्यापार मंडल के प्रधान सुरेंद्र बंटी ने बताया कि वर्ष 2022 में आमजन के सहयोग से शहर के सार्वजनिक स्थानों पर 44 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद पुलिस आसानी से अपराधियों तक पहुंच जाती थी। छह माह बाद ही कुछ कैमरे खराब हो गए थे तथा स्टेट हाईवे के निर्माण के समय कुछ सीसीटीवी की केबल कट गई थी। इसके अलावा बंदरों द्वारा भी सीसीटीवी कैमरों की केबल काट दी गई गई थी। उनके द्वारा कई बार पुलिस प्रशासन को सीसीटीवी की मरम्मत के लिए पत्र लिखा गया था। लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

रामनवमी पर मां चामुंडा देवी मंदिर में लगेगा भव्य मेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रामनवमी पर्व पर रविवार को शहर के ऐतिहासिक मां चामुंडा देवी मंदिर में एक भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं और मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। मंदिर परिसर में वैसे तो रोजाना ही श्रद्धालु पहुंचते हैं, लेकिन अंतिम नवरात्र पर लगने वाले मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

मां चामुंडा देवी ट्रस्ट के सचिव बिशन कुमार सैनी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के दिन मेले का आयोजन पूरी श्रद्धा एवं उल्लास के साथ किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर मां चामुंडा देवी का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। मेले के साथ-साथ रविवार को दोपहर से ही भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। ट्रस्ट के अनुसार भंडारे में शुद्ध देसी घी से निर्मित प्रसाद वितरित किया जाएगा।

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए ट्रस्ट के सदस्य, स्थानीय प्रशासन और सैकड़ों स्वयंसेवक तैयारियों में जुटे हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद की गई है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के मां के दरबार में अपनी हाजिरी लगा सकें। शहरवासियों में इस आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है और श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वे समय पर मंदिर पहुंचकर मां चामुंडा के दर्शन करें और आयोजन में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

नारनौल। मां चामुंडा का सजाया गया दरबार। फोटो : हरिभूमि

सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

वरिष्ठ नागरिक व सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने नागरिक अस्पताल में आर्थोपेडिक वरिष्ठ नागरिक मरीजों को हो रही परेशानी के समाधान हेतु प्रार्थना पत्र सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार को सौंपा। जिसमें कहा कि वरिष्ठ नागरिकों आर्थोपेडिक मरीजों का पंजीकरण कमरा नंबर 21 में होता है तथा आर्थोपेडिक सर्जन ट्रामा सेंटर भवन के कमरा नंबर 105 में बैठते हैं, जो बुजुर्गों के पंजीकरण कक्ष से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है तथा आर्थोपेडिक मरीजों का एक्सरे कमरा नंबर 42 में होता है।

नारनौल। सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपते छाजूराम रावत। फोटो : हरिभूमि

ज्ञापन में कहा कि आर्थोपेडिक सर्जन डा. को चिकित्सकीय परामर्श पश्चात दवाई कमरा नंबर 21 में मिलती है। कमरा नंबर 21 से पंजीकरण पश्चात आर्थोपेडिक सर्जन डा. से चिकित्सकीय उपचार लेनेव एक्सरे की यह प्रक्रिया वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहद तकलीफदेय वपरेशानी का सबब है। इस प्रकार ट्रामा सेंटर तक आने जाने का रास्ता जो 500 मीटर की दूरी पर है, कई बार बुजुर्ग आर्थोपेडिक मरीज को परिवार जन गोद में उठाकर लाते हैं। इतना ही नहीं ट्रामा सेंटर आर्थोपेडिक सर्जन के बैठने के स्थान तक कोई संकेतक बोर्ड भी नहीं लगे हैं। जिससे आर्थोपेडिक मरीजों व महिलाओं को भारी परेशानी हो रही है। बुजुर्गों के लिए आर्थोपेडिक ईलाज के लिए इस तरह की व्यवस्था बुजुर्गों को एक ही छत के नीचे ईलाज मुहैया कराने की भावना के प्रतिकूल है।

गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर

रेल यातायात रहेगा प्रभावित

- रेलसेवाएं रद, आंशिक रद, मार्ग परिवर्तित, री-शइयूल, रेगुलेट रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जयपुर मंडल के गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य हेतु ब्लॉक लिया जा रहा है। इस कार्य के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित रेलसेवाएं प्रभावित रहेगी।

आंशिक रद रेलसेवाएं

गाड़ी संख्या 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय रेलसेवा 31 मई व तीन जून को को पोरबंदर से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में रींगस, श्रीमाधोपुर, नीमकाथाना, नारनौल व अटेली स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 20964 वाराणसी-साबरमती रेलसेवा 31 मई को वाराणसी से प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में अटेली, नारनौल, नीम का थाना श्रीमाधोपुर, रींगस स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

सरकार ने सरसों का रेट 5950 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया

नारनौल मंडी में काटे गए 171 किसानों के गेट पास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नांगल चौधरी रोड पर जल महल के समीप बनी नई अनाज मंडी में शुक्रवार को भी सरसों की सरकारी रेट पर खरीद जारी रही। इस बार सरकार ने सरसों का रेट 5950 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया हुआ है। शुक्रवार को इस मंडी में 171 किसानों के गेट पास काटे गए, जो करीब 4109 क्विंटल सरसों लेकर मंडी पहुंचे। इसमें से शाम तक लगभग 3267 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। नारनौल मंडी हरियाणा स्टेट वेयर हाउस द्वारा सरसों की खरीद की जा रही है।

स्टेट वेयर हाउस की मैनेजर रुबी हुड्डा ने बताया कि इस मंडी में अब तक लगभग 13831 क्विंटल 50 किलो सरसों की खरीद की जा चुकी है। इस मंडी में शुक्रवार को 5300 बैग सरसों की लिफ्टिंग की गई। अब तक इस मंडी में 641 किसान सरसों लेकर आ चुके हैं तथा अब यह सिलसिला तेज होता जा रहा है।

नारनौल। अनाज मंडी में टीनशेड के नीचे रखी किसानों की सरसों।

मंडी अटेली। अनाज मंडी में लगी सरसों ढेरियां। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने बताया कि किसान अपनी सरसों लाते वक्त उसे अच्छी तरह से सूखाकर एवं साफ करके लाएं।

मार्केट कमेटी की सचिव नुकुल यादव ने बताया कि मंडी में सुचारु रूप से खरीद जारी है। किसानों के आने पर उन्हें आसानी से गेट पास उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। किसानों को अपने साथ अपना आधार कार्ड साफ लेकर आना होता है।

291 गेट पास कटे, 6304 क्विंटल की आवक रही

मंडी अटेली। मंडी अटेली अनाज मंडी में सरसों की सरकारी खरीद जारी रही है। शुक्रवार को 291 गेट पास कटे, जिसमें 6304 क्विंटल की आवक रही, वहीं अभी तक 1615 गेट पास कट चुके हैं। मंडी में सरसों की कुल आवक 33432 क्विंटल की आवक हो चुकी है। प्राइवेट बाजार में शुक्रवार को दो हजार क्विंटल सरसों की आवक रही। अभी तक 21500 क्विंटल की आवक है। हैफेड के मैनेजर रोशन लाल ने बताया कि मंडी में अभी तक 1419 किसानों की 29007 क्विंटल खरीद हो चुकी है। लिफ्टिंग 37 हजार बैग की हो चुकी है। अभी तक 4 लाख बारदाना आ चुकी है। उन्होंने बताया कि खरीद के 72 घंटे बाद किसान की पेमेंट डाली जा रही है। किसान अपनी सरसों को सुखाने के अलावा साफ सुथरी लाएं। उन्होंने बताया कि गेहूं की मंडी में किसी प्रकार की आवक नहीं हुई है, खरीद के लिए एजेंसी पूर्ण तैयार है।

प्रकृति प्रेमी हैं तो वन सेवा में ऑफिसर अच्छा करियर विकल्प

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

भारतीय वन सेवा का पद भारत की अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। अगर आपका भी सपना है कोई अच्छे पद पर सरकारी जॉब करने का तो आपके लिए आईएफएस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है। आईएफएस एक ऐसी सरकारी जॉब है जिसमे आप अपना बेहतरीन करियर बना सकते हो। यह लेख पड़ने के बाद आप यह अच्छे से समज सकेंगे कि आईएफएस ऑफिसर कैसे बने और आईएफएस का फुल फोर्म क्या होता है। आईएफएस बनने के लिए क्या क्या योग्यता होनी चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। हालांकि यह करियर बनाने का एक बेहतरीन क्षेत्र है।

क्या होता है इंडियन फॉरेस्ट सर्विस

इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) जिसे हिंदी में भारतीय वन सेवा के पद के नाम से जाना जाता है और यह भारत की अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। जैसे कि आईएसएस, आईपीएस और आईएफएस। आईएफएस को 1966 में अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 के तहत भारत सरकार द्वारा गठित किया गया। जैसे कि नाम से ही पता चलता है फॉरेस्ट ऑफिसर का काम जंगलों की देखरेख करने से लेकर जंगलों की अवैध कटाई पर रोक लगाने का होता है। अब तो वन विभाग सेक्टर में काफी बदलाव भी आ रहे है जैसे कि इसमें बहुत ज्यादा नौकरियां निकलने लगी है और वन विभाग में अफसर होना कोई छोटी बात नहीं है और इसमें सैलरी पैकेज भी काफी अच्छा रहता है। आईएफएस यानी कि इंडियन फोरेस्ट सर्विस की नियुक्ति एक वन रक्षक के रूप में होती है जिसमे आपको देश की सेवा करने का मौका भी मिलता है। आईएफएस की जॉब में एक शानदार भविष्य की कामना कर सकते है।

जरूरी योग्यताएं

आईएफएस बनने के लिए आपको सबसे पहले इसके एग्जाम की पतैयारी पर पूरा ध्यान देना होगा। अगर आप नहीं जानते है कि आईएफएस की तैयारी कैसे करे तो घबराइए मत हम आपको पूरा प्रोसेस शेयर करेंगे। आईएफएस के पद पर कार्यरत होने के लिए आपको आईएफएस का एग्जाम पास करना जरुरी होता है इसके बाद ही हम इस पद के अधिकारी बन सकते है। आईएफएस के लिए क्या योग्याएं होनी चाहिए चलो जानते है।

ये है आयु योग्यता

अगर आप इंडियन प्रेस ऑफिसर बनना चाहते हैं तो आपकी न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष और अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होनी अनिवार्य है। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग जैसे ओबीसी , एससी, एसटी और ईडब्ल्यूएस आदि कैंडिडेट के लिए आयु सीमा में छूट का प्रावधान मिलता है।

स्नातक की डिग्री जरूरी

फोरेस्ट विभाग में ऑफिसर बनने के लिए शैक्षिक योगयता में उमीदवार को किसी एक विषय में स्नातक डिग्री होना जरुरी है। जैसे कि गणित, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, पशु चिकित्सा विज्ञान, पशुपालन इंजीनियरिंग, वानिकी, वनस्पति विज्ञान, कृषि सांख्यिकी अदि में किसी भी सब्जेक्ट में ग्रेजुएट है तो आप फोरेस्ट ऑफिसर बनने के लिए अप्लाई कर सकते हो।

पास करनी होगी परीक्षा

भारतीय वन अधिकारी बनने के लिए आपको तीन चरणों को क्लियर करना होता है जिसके बाद आईएफएस बन सकते हैं।

प्राथमिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार

इन तीनों राउंड में से सबसे पहले आपका प्री एग्जाम होता है जो ऑब्जेक्टिव टाईप रहता है और प्री एग्जाम को पास कर लेने के बाद आप मेन्स एग्जाम में बैठने के योग्य होते हैं। और मुख्य परीक्षा आपकी सब्जेक्टिव यानी कि इसमें विस्तार से प्रश्न पूछे जाते हैं। प्री और मेन्स परीक्षा पास कर लेने के बाद आखिर में कैंडिडेट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है जो के फाइनल स्टेप होता है। इस इंटरव्यू को क्लीयर कर लेने के बाद कैंडिडेट्स को फाइनली ट्रेनिंग के लिए भेजा जाता है।

मुख्य काम

वन विभाग और वन मंत्रालय की जानकारी के लिए जंगल के पेड़ पौधों, जीव जंतुओं से जुड़ा सर्वे करना, कागजी कार्यवाही करना और रिपोर्ट तैयार करना। भेड़, बकरियों व अन्य सभी पालतू जानवरों को वन भूमि पर चरने से रोकना। घायल जीव जंतुओं और पक्षियों को चिकित्सा सहायता देना या उन्हें ऐसे जगह पहुंचाना जहां वे ठीक हो सके और सुरक्षित रहें। जंगल में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाना ताकि जंगल का विकास हो सके। शिकारियों को शिकार ना करने देना, अवैध रूप से काटी गई लकड़ी या शिकार किए गए जानवरों या जानवरों के अंगों को जब्त करना।

सैलरी

आईएफएस अफसर के बारे सभी जानकारी जानने के बाद अब हमारे मन में आखरी और महत्वपूर्ण सवाल होता है कि आखिर इतनी मेहनत करने के बाद आईएफएस की सैलरी क्या होगी। तो हम आप को बता दें कि आईएफएस अफसर को सैलरी काफी अच्छी मिलती है और उसमे समय समय पर इजाफा भी होता है। आईएफएस के पद में 15600 रु प्रति माह से लेकर 40000 रु प्रति माह वेतन देह होता है और 5400 रु ग्रेड पे भी मिलती है। आईएफएस के पद में कई सारे भत्ते अदि भी मुहैया कराये जाते हैं।

यह पेशा रुतबे के साथ-साथ अच्छा पैसा कमाने का भी देता है मौका

ट्रेंड फोरकास्टर बन बाजार की नीतियों को पहचानें और बनाएं शानदार करियर

उद्योगों के भविष्य को समझने में करता मदद

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

अगर आप भी एक नए करियर विकल्प को अपनाना चाह रहे हैं तो आपके लिए ट्रेंड फोरकास्टर बनना एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है। इस पेशे में रुतबे के साथ-साथ अच्छा पैसा कमाने का भी मौका मिलता है। अगर आपको बदलते फैशन, बाज़ार की नीतियों, सामाजिक प्रवृत्तियों को समझने और भविष्यवाणी करने में रुचि है, तो ट्रेंड फोरकास्टर एक बेहतरीन करियर विकल्प है। यह पेशा आपको उद्योगों के भविष्य को समझने और नई संभावनाओं को खोजने का अवसर देता है। ट्रेंड फोरकास्टिंग मुख्य रूप से फैशन, टेक्नोलॉजी, बिजनेस, मार्केटिंग और सांस्कृतिक रुझानों का विश्लेषण करके कंपनियों को आने वाले बदलावों के लिए तैयार करने में मदद करता है। ट्रेंड फोरकास्टिंग में गहरी रिसर्च, उपभोक्ताओं के व्यवहार का विश्लेषण, और डिजिटल टूल्स का उपयोग करके भविष्य के ट्रेंड्स को पहचानने की आवश्यकता होती है। यह पेशा न केवल रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देता है, बल्कि विभिन्न उद्योगों में कंपनियों की रणनीतियों को भी आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चाहे वह फैशन डिजाइनर हों, मार्केटिंग टीमें हों, या निवेशक, सभी ट्रेंड फोरकास्टर्स की भविष्यवाणियों पर भरोसा करते हैं ताकि वे प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें।

ट्रेंड फोरकास्टर क्या है

ट्रेंड फोरकास्टर का मुख्य कार्य भविष्य के ट्रेंड्स की पहचान और विश्लेषण करना होता है। वे विभिन्न डेटा, उपभोक्ता व्यवहार, बाजार की स्थितियों और सामाजिक बदलावों का अध्ययन करके आने वाले महीनों या वर्षों में संभावित रुझानों की भविष्यवाणी करते हैं।

तेजी से बढ़ता हुआ करियर

ट्रेंड फोरकास्टिंग एक रोमांचक और तेजी से बढ़ता हुआ करियर है। यदि आपको मार्केटिंग, फैशन, टेक्नोलॉजी और उपभोक्ता व्यवहार की गहरी समझ है और आप नई चीजों की भविष्यवाणी करने में रुचि रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है।

ट्रेंड फोरकास्टिंग के प्रमुख क्षेत्र

- **फैशन ट्रेंड फोरकास्टिंग :** आगामी कपड़ों की शैलियों, रंगों, और डिज़ाइनों की भविष्यवाणी करना।
- **बिजनेस और मार्केटिंग फोरकास्टिंग:** उपभोक्ताओं के व्यवहार और खरीदारी के रुझानों को समझना।
- **टेक्नोलॉजी ट्रेंड फोरकास्टिंग:** नई तकनीकों और डिजिटल परिवर्तनों की भविष्यवाणी करना।
- **सांस्कृतिक और सामाजिक ट्रेंड्स:** समाज में होने वाले बदलावों और उनकी दिशा को समझना।
- **ब्यूटी और लाइफस्टाइल फोरकास्टिंग:** स्किनकेयर, मेकअप और हेल्थ से जुड़े रुझानों की पहचान।

वेतन और संभावनाएं

ट्रेंड फोरकास्टिंग में वेतन निजी और सरकारी क्षेत्रों में भिन्न हो सकता है। निजी कंपनियों में, एक शुरुआती ट्रेंड। इसमें अनुभव के आधार पर भी वेतन निर्भर करता है। जितना अच्छा आपका अनुभव होगा उतना ही आप कमाई कर पाएंगे।

फोरकास्टर को 40,000 रुपये से 60,000 रुपये प्रति माह मिल सकता है, जबकि अनुभवी पेशेवरों का वेतन 1,50,000 रुपये से 3,00,000 प्रति माह तक हो सकता है। शीर्ष स्तर के ट्रेंड फोरकास्टर्स को डेलॉयट, बीसीजी, नीलसन, और मैकिन्से जैसी कंपनियों में आकर्षक पैकेज मिलते हैं।

-सरकारी संगठनों जैसे भारतीय कपड़ा मंत्रालय, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, और भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग में भी ट्रेंड विश्लेषकों की मांग रहती है, जहां वेतन 50,000 रुपये से 1,20,000 रुपये प्रति माह तक हो सकता है। फ्रीलांस ट्रेंड फोरकास्टर्स भी क्लाइंट-बेस्ड मॉडल पर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

शिक्षा और योग्यता

ट्रेंड फोरकास्टर बनने के लिए किसी विशेष डिग्री की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन निम्नलिखित विषयों में शिक्षा आपके लिए फायदेमंद हो सकती है

- फैशन, टेक्नोलॉजी, बिजनेस, मार्केटिंग और सांस्कृतिक रुझानों का विश्लेषण करना होगा
- कंपनियों को आने वाले बदलावों के लिए तैयार करने में करता है मदद

प्रमुख कोर्स और संस्थान

- फैशन डिजाइन और मर्चेंडाइजिंग–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), पर्ल अकादमी।
- मार्केटिंग और बिजनेस स्टडीज–भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), दिल्ली विश्वविद्यालय।
- मीडिया और कम्युनिकेशन–जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एमिटी यूनिवर्सिटी।
- डेटा एनालिटिक्स और सांख्यिकी–इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट।
- साइकोलॉजी और सोशियोलॉजी–जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआरईएसएस)

प्रमुख कौशल

एक सफल ट्रेंड फोरकास्टर बनने के लिए निम्नलिखित कौशल आवश्यक होते हैं।

- बाजार और उपभोक्ता व्यवहार की समझ– उपभोक्ता की पसंद और प्रवृत्तियों को समझने की क्षमता।
- डेटा विश्लेषण– सांख्यिकी और एनालिटिक्स टूल्स (एक्सल, पायथन, आर) का ज्ञान।
- क्रिएटिव और आलोचनात्मक सोच–नए रुझानों को पहचानने और उनकी व्याख्या करने की क्षमता।
- डिजिटल मार्केटिंग का ज्ञान–सोशल मीडिया ट्रेंड्स व ऑनलाइन उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण।
- संचार और प्रस्तुति कौशल–अपनी रिपोर्ट और निष्कर्षों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने की क्षमता।

करियर के अवसर

- फैशन कंपनियां– जारा, एचएंडएम, लुई वुइटन, सब्यसाची
- मार्केट रिसर्च फर्म्स – नीलसन, मैकिन्से, बीसीजी
- टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कंपनियां– गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, ऐप्पल
- सोशल मीडिया और डिजिटल एजेंसियां– ओगिल्वी, डब्ल्यूपीपी ग्रुप
- स्वतंत्र कंसल्टेंसी– कई ट्रेंड फोरकास्टर स्वतंत्र रूप से भी काम करते हैं।

करियर काउंसलर से सलाह लें

किसी भी करियर को चुनने से पहले करियर काउंसलर से सलाह लेना फायदेमंद होता है, ताकि आप अपनी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार सही निर्णय ले सकें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर विजिट कर सकते हैं।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए सही रणनीति की आवश्यकता

मोटिवेशनल

डॉ. राजेश के. पिलानिया

प्रोफेसर, मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम

हम जीवन में सफल होने और एक आशाजनक करियर बनाने की आकांक्षा रखते हैं। यह एक अच्छी आकांक्षा है। इसे साकार करने के लिए, किसी को सही रणनीति की आवश्यकता होती है-एक ऐसी रणनीति जो न केवल एक सफल करियर का मार्ग प्रशस्त करे बल्कि यह भी सुनिश्चित करे कि हम इस यात्रा में अपनी सेहत और रिश्तों को बनाए रखें और यात्रा का आनंद लें। यहाँ एक सफल करियर के लिए सात चरणों की रणनीति दी गई है। यदि आप किसी विशेष क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में प्रयास करते हैं, तो किसी दिन आप निश्चित रूप से अपने करियर में सफलता हासिल करेंगे।

काम करने की गहरी इच्छा जरूरी

सवाल यह है, क्या आप वास्तव में वह काम करना चाहते थे? क्या आपके पास उस काम को करने की गहरी इच्छा है? यदि जवाब नहीं है, तो वह विशेष काम आपके लिए नहीं है। यह खोजने की कोशिश करें कि आप वास्तव में क्या करना चाहते हैं; घंटों काम करने के बाद, क्या चीज आपको और काम करने के लिए अधिक उत्साहित करती है?

एक योजना बनाएं : 'सपने देखने वाले' और 'सफलता पाने वाले' के बीच एक पतली रेखा होती है: 'योजनाबद्धता'। योजनाबद्धता एक व्यक्ति के जीवन का सबसे आवश्यक हिस्सा है। हर काम के लिए एक योजना बनाएं जो आप करना चाहते हैं, हर लक्ष्य के लिए जो आप हासिल करना चाहते हैं। लक्ष्य के 'क्यों' और 'क्या' को खोजें और उसी के अनुसार एक अनुशासित योजना बनाएं।

योजना का पालन करें : 'योजनाबद्धता' को सही मार्ग पर लागू करने की इच्छा के साथ पालन करना होगा, जो सफलता की ओर ले जाता है। जब आप एक योजना के साथ काम करते हैं, तो तीव्र परिवर्तन होता है।

अपने संसाधनों को आवंटित करें : हर संसाधन के पहलू का उचित तरीके से उपयोग करना एक बहुत बड़ा अंतर पैदा करता है, क्योंकि समय एक सीमित संसाधन है, और अवसर एक सीमित समय अवधि के साथ आते हैं, इसलिए अपने समय को पुरस्कृत प्रयासों पर लाना संसाधन प्रबंधन का मुख्य हिस्सा है।

कार्य में जीवन संतुलन बनाए रखें

जब आप अपने करियर बनाने के मार्ग पर हों, तो जीवन को नजरअंदाज न करना आवश्यक है। यह महत्वपूर्ण है कि जीना बंद न करें। अपनी योजना और संसाधन आवंटन में, कुछ ब्रेक-टाइम रखें ताकि आप आराम कर सकें, अपनी सेहत का ध्यान रख सकें, और अपने रिश्तों का ध्यान रख सकें। अच्छी सेहत और अच्छे रिश्तों के बिना सफलता खोखली और अर्थहीन है।

नियमित साप्ताहिक और मासिक मूल्यांकन, प्रतिक्रिया और सीख बनाए रखें : अपनी प्रगति पर नजर रखने से आपको उन बाधाओं के जवाब मिलते हैं, जो आपके लक्ष्यों और उपलब्धियों के बीच आ रही हैं। प्रयासों और निर्णयों का साप्ताहिक और मासिक मूल्यांकन रखना काम के प्रति विचार प्रक्रिया को विस्तार देता है।

इस यात्रा का आनंद लें : एक सफल करियर की यात्रा मांगलिक और चुनौतीपूर्ण होती है। इस प्रक्रिया का आनंद लेना आवश्यक है। यह महत्वपूर्ण है कि असफलताओं को दिल से न लें; इसके बजाय, असफलता से जो सीख मिलती है उसे लें और सुधार करें, और फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें।

लेखक : डॉ. राजेश के. पिलानिया मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम में प्रोफेसर हैं। उन्होंने भारत में खुशी पर अग्रणी कार्य किया है और उन्हें भारत के **Happiness** प्रोफेसर और भारत के **Happiness** गुरु के रूप में लोकप्रिय रूप से जाना जाता है। उन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों के साथ खुशी के अंतर्दृष्टि साझा किए हैं।

सामान्य ज्ञान

1. रेडियोधर्मिता की खोज किसने की थी ?
(ए) रदरफोर्ड
(बी) हेनरी वेक्वेरेल
(सी) रोएंटजेन
(डी) आइन्स्टाइन

2. रेडियो सक्रियता किसका गुण है
(ए) इलेक्ट्रॉन का
(बी) प्रोटॉन का
(सी) न्यूट्रॉन का
(डी) नाभिक का

3. रेडियोसक्रिय परिवर्तन में भाग लेता है
(ए) परमाणु के संयोजी इलेक्ट्रॉन
(बी) परमाणु के कोर इलेक्ट्रॉन
(सी) परमाणु के नाभिक
(डी) इनमे से कोई नहीं

4. किसी परमाणु के स्थाई नाभिक में प्रोटॉनों की संख्या होती है
(ए) न्यूट्रॉन की संख्या के बराबर
(बी) न्यूट्रॉन की संख्या से अधिक
(सी) न्यूट्रॉन की संख्या से कम
(डी) इसमे से कोई नहीं

5. रेडियोधर्मिता की यूनिट है
(ए) ऐंग्स्ट्रॉम
(बी) कैंडेला
(सी) फर्मी
(डी) क्युरी

6. रेडियोधर्मी तत्व किसका उत्सर्जन करती है
(ए) पराबैंगनी किरणों का
(बी) α , β तथा γ विकिरण
(सी) रेडियो तरंगे
(डी) अवरक्त तरंगे

7. अल्फा और β किरणों की खोज किसने की थी
(ए) डॉल्टन
(बी) रौंटजन
(सी) रदरफोर्ड
(डी) विलार्ड

8. किस वज्ञानिक ने γ किरणों की खोज की
(ए) विलार्ड ने
(बी) रदरफोर्ड
(सी) रौंटजन
(डी) डॉल्टन

9. निम्न में कौन रेडियोसक्रिय किरण हीलियम नाभिक के समकक्ष होता है
(ए) α किरण
(बी) β किरण
(सी) γ किरण
(डी) इनमे से कोई नहीं

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(बी) 9.(ए)

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। माता के दरबार में शतचंडी का पाठ करते हुए।

महासर मंदिर में हो रहा शतचंडी का पाठ

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव गढ़ी-महासर स्थित महासर माता के चेत्र नवरात्रों पर शतचंडी हवन चल रहा है। शतचंडी यज्ञ में मुख्य यजमान रामकुमार लांबा व मनवीर, दीपक लांबा, गीतांश व हितार्थ शामिल हैं। पुरोहित संजय शास्त्री ने विधिवत रूप से यज्ञ सम्पन्न करवा रहे हैं। शतचंडी यज्ञ क्षेत्र में शांति व सौहार्द स्थापित करवाने के लिए नवरात्रों के प्रारंभ से पाठ पूजन हो रहा है। शतचंडी हवन में लालचंद, रतनलाल, कैलाश आदि ने अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इसके बाद लांबा परिवार ने मंदिर में नवरात्रों के समापन पर भंडारा होगा।

गुजरवास में रामनवमी का मेला कल

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गुजरवास में हर वर्ष की तरह इस बार भी रामनवमी का मेला चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी छह अप्रैल को बड़ी धूमधाम से भरवाया जाएगा। यह मेला बाबा भैया मंदिर परिसर में भरता है। मेला प्रबंधक, श्रीराम सेवा-ट्रस्ट के प्रधान ओपी चौहान ने बताया कि यज्ञ-हवन के बाद सात बजे भगवान श्रीराम सपरिवार रथ पर सवार होंगे। बैंड व डीजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। देशी घी के भंडारे से मेले की शुरुआत होगी। भगवान श्रीराम का भव्य दरबार सजाया जाएगा।

किसानों को फसल कटाई व थ्रेसिंग का दिया प्रशिक्षण

नांगल चौधरी। नांगल कालिया में किसान संगोष्ठी का आयोजन रीजनल अधिकारी डा. रजनीश चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें किसानों को विभिन्न फसलों की पकाई, कटाई तथा थेसिंग करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने फसलों में रसायनिक खाद का इस्तेमाल संतुलित मात्रा में करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि फसल के अच्छे उत्पादन में बीज की क्वालिटी का बड़ा योगदान होता है। जमीन के अनुरूप ही बीज की बुवाई करना जरूरी है। जिससे पौधे की ग्रोथ अच्छी होगी और उत्पादन भी ज्यादा मिलेगा।

कनीना-महेंद्रगढ़ रोड से गुढ़ा की सड़क टूटी

कनीना। कनीना से गाहड़ा रोड बुरी तरह से खंडित होने के कारण सड़क हादसों को बढ़ावा मिल रहा है। इस मार्ग पर बीते समय छोटे-बड़े दर्जनभर हादसे घटित हो चुके हैं। जिनमें दुपहिया वाहन चालक काल का ग्रास बन चुके हैं। जिस पर जिला प्रशासन व लोकनिर्माण विभाग की लापरवाही को लेकर ग्रामीणों ने आक्रोस जताया है। वाहन चालकों सुरेंद्र सिंह यादव, राजीव, ओमप्रकाश, जगदीश प्रसाद, भूपेंद्र सिंह, शौरभ सिंह, सज्जन सिंह ने बताया कि कनीना से गाहड़ा होते हुए 50 गांवों के ग्रामीण आवागमन करते हैं। टूटी सड़क को बचाने के चक्कर में इस मार्ग पर अनेक हादसे घटित हो चुके हैं। जिनमें जान तक जा चुकी है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन

स्वस्थ मनोस्थिति से ही व्यक्ति, समाज संस्थान व देश होगा बेहतरः प्रो. संदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ प्रो. संदीप सिंह राणा। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में सहभागियों के लिए विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर केंद्रित संवेदीकरण कार्यशाला का शुक्रवार को आयोजन किया गया। स्टूडेंट सर्विस सेल एंड वेलनेस क्लिनिक द्वारा मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित इस विशेष कार्यशाला में अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, शिक्षक प्रभारियों सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों के समक्ष उत्पन्न होने वाली विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं और उनके निदान को जाना-समझा।

मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. संदीप सिंह राणा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही शिक्षकों व विद्यार्थियों के बीच आपसी समन्वय व विद्यार्थियों से जुड़ी विभिन्न प्रकार की समस्याओं के निदान में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम की शुरूआत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि मौजूदा समय में बेहद आवश्यक है कि विद्यार्थियों की मनोस्थिति को शिक्षक समझें और उसके अनुरूप विभिन्न समस्याओं का निदान करने में सहयोग करें। आयोजन में विश्वविद्यालय की मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता व मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के समक्ष उत्पन्न होने वाली विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का निदान सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों से शिक्षकों का सीधा सरोकार रहता है। ऐसे में यही शिक्षक इस दिशा में सकारात्मक सोच के साथ सहयोग की व्यवस्था उवलब्ध कराएंगे तो अवश्य ही विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की मनोवैज्ञानिक एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से निजाद पा सकेंगे।

विशेषज्ञवक्ता प्रो. संदीप सिंह राणा ने कहा कि सर्वप्रथम यह आवश्यक है कि हम स्वयं को पहचाने। बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है कि आपकी स्वयं की मन की स्थिति बेहतर हो। स्वस्थ्य मनोस्थिति से ही बेहतर व्यक्ति, समाज, संस्थान व देश का निर्माण संभव है। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से कहा कि यदि सफलता हासिल करनी है, ऊंचाई पर जाना है तो झुक कर चलना या यूं कहें कि सकरात्मकता के साथ आगे बढ़ना है। इस तरह उन्होंने प्रतिभागियों को जीवन में वर्तमान के महत्त्व से अवगत कराया और भविष्य व भूतकाल से खुद को अलग करते हुए वर्तमान में अपनी क्षमताओं के सर्वोत्तम उपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब तक हम प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी स्वयं की पहचान के साथ स्वीकार नहीं करेंगे तब तक हम उसकी समस्याओं के निदान और उसकी विकास की यात्रा में सहयोगी की भूमिका नहीं निभा सकेंगे।

प्रो. संदीप सिंह ने कहा कि वे विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक स्टेटस के बजाए उनके व्यक्तिगत व्यवहार से पहचाने और उनकी क्षमताओं के सर्वोत्तम उपयोग का प्रयास करें।

भारत के संदर्भ में विशेषज्ञ वक्ता ने कहा कि भारत सदैव से ही सांस्कृतिक व सामाजिक स्तर पर बेहद समृद्ध रहा है। ऐसे में अपनी पुरातन समझ को जान-समझकर ही भविष्य के भारत के निर्माण हेतु युवा पीढ़ी को तैयार किया जा सकता है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज के स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

सप्ताहिक पुस्तक समीक्षा सत्र का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राव प्रहलाद सिंह के रिडिंग क्लब द्वारा आयोजित सप्ताहिक पुस्तक समीक्षा सत्र का आज समापन सत्र संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्यातिथि आरपीएस इंजि. कॉलेज डीन प्रो. राजेंद्र सिंह उपस्थिति रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागिओं की प्रस्तुति कला की और आयोजन समिति को इस अनूठी पहल को शुरू करने के लिए सराहना की। इस सेशन के तहत विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अलग-अलग सत्रों में कुल छह पुस्तकों की प्रस्तुति दी। इन सत्रों में सेवा सदन, आटो बायोग्राफी आफ योगी, रिच डैड पुअर डैड, सत्यार्थ प्रकाश, द गॉड आफ स्माल थिंगस और द सवन हबट्स आफ हाईली इफेक्टीव पीपल जैसी पुस्तकों की प्रस्तुति दी गई। भूगोल विभाग की रजनी, पूनम, रितिक, जुलॉजी विभाग की रेखा, भौतिकी विभाग के आर्यन, बीएससी की नेत्रा ने इस सत्रों में अपनी प्रस्तुति दी। समापन सत्र के अवसर पर कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान ने बताया कि इन सत्रों में छात्रों ने न केवल पुस्तकों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया, बल्कि उनके शैक्षिक और सामाजिक महत्व को भी उजागर किया। इस आयोजन का सफल संचालन जूलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक विकास यादव द्वारा किया गया। पीजी हैड वाईपी सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ. डीआर भारद्वाज, अर्चना साहू, विकास यादव, डॉ. जितेंद्र जिंदल, डॉ. राजेश डागर, मोहित सेठिया, अनिल कुमार के अलावा पुस्तकालय विभाग से आशी मालविया, कविता व निशा भी उपस्थित रही। कॉलेज प्रशासन ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे भविष्य में जारी रखने की प्रतिबद्धता दिखाई, ताकि छात्र अध्ययन संस्कृति की बढ़ावा दे सके और अपने प्रस्तुति कौशल को निखार सके। संस्था डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव ने आयोजकों का धन्यवाद किया।

रामचन्द्र स्कूल में दो दिवसीय इन-हाउस टीचर्स ट्रेनिंग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

राव रामचंद्र पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय इन-हाउस टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों, कक्षा प्रबंधन, मूल्यांकन तकनीकों और विद्यार्थियों की समग्र विकास प्रक्रिया में दक्ष बनाना रहा। इस दौरान सीबीएसई रिसोर्सपर्सन विकास चौधरी ने शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने विभिन्न सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को एनएपी-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, कक्षाप्रबंधन, आधुनिक मूल्यांकन प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के पहले दिन प्रभावी शिक्षण रणनीतियों, पाठ योजना निर्माण तथा छात्र सहभागिता बढ़ाने के लिए गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। वहीं दूसरे दिन मूल्यांकन की तकनीक और शिक्षकों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और सत्रों के दौरान अपने अनुभव सांझा किए। प्रधानाचार्य हरिप्रकाश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्था चेयरमैन राव रोशनलाल ने विकास चौधरी का आभार व्यक्त किया।

सूरज डिग्री कॉलेज के छात्र हिमेश यादव ने 9.64 एसजीपीए लेकर किया टॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हिमेश यादव | मुस्कान | महिमा | वर्षा

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा बीएससी फिजिकल साइंस प्रथम सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा, जिसमें बीएससी फिजिकल साइंस प्रथम सेमेस्टर का छात्र हिमेश यादव पुत्र वीरेंद्र ग्राम लुहाना ने 9.64 एसजीपीए हासिल कर पूरे कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी क्रम मे मुस्कान पुत्री संतोष कुमार ग्राम बाघोत तथा महिमा पुत्री सुक्रमपाल सिंह ग्राम भोजावास ने 9.17 एसजीपीए के साथ कॉलेज में दूसरा एवं वर्षा पुत्री रविंद्र कुमार ग्राम बधवाना ने 9.08 एसजीपीए के साथ कॉलेज में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

छात्रा किरण पुत्री जोगेंद्र ने 8.96, रितु पुत्री विनोद ने 8.95, अंशु पुत्री निर्मल कुमार ने 8.86, अभिषेक पुत्र शशीपाल ने 8.79, मुस्कान यादव पुत्री नरेश ने 8.79, गरिमा कुमारी पुत्री देवराज ने 8.67, प्रियंका पुत्री लिल्लु राम ने 8.55, साक्षी पुत्री संजय कुमार ने 8.21, शिवानी पुत्री सुरेन्द्र ने 8.18, साक्षी पुत्री सुनील कुमार ने 8.18, एसजीपीए प्राप्त किए। प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है।

यदुवंशी का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

किरण | मुस्कान | प्रीति | अनुप्रिया

नारनौल। शैक्षणिक, सांस्कृतिक व स्पोर्ट्स गतिविधियों के साथ क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ स्तर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने हाल ही में कॉलेज स्तर पर इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी से एमएससी कैमिस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की छात्रा किरण पुत्री सतीश कुमार ने पहला स्थान हासिल किया है। इसके अलावा मुस्कान पुत्री पवन कुमार ने दूसरा, एमएससी जूलॉजी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा प्रीति शमशेर ने प्रथम व अनुप्रिया पुत्री वीरेन्द्र कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। संस्था डायरेक्टर सुरेश यादव ने बताया कि आगामी परीक्षा परिणाम के लिए भी हमारी तैयारियां पूर्ण रूप से है।

डा. प्रदीप यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के वर्षभर की पढ़ाई के लिए हम पूर्व योजनाएं निर्धारित करते हैं। जिसके कारण परीक्षा परिणाम लगातार श्रेष्ठ स्तर पर रहते हैं। प्राचार्य बजरंगलाल, उपप्राचार्या सोनल यादव ने कहा प्रत्येक क्षेत्र में इस महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र श्रेष्ठ स्तर पर रहेंगे। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

यदुवंशी डिग्री कॉलेज बीए प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीए प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों का परिणाम शानदार रहा। इस परीक्षा परिणाम में महक पुत्री अजय सिंह ने 85.6 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया तो वहीं हर्षिता पुत्री जयप्रकाश ने 85 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा स्थान, महक पुत्री नवीन कुमार 84.5 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा, निक्की पुत्री मनोज कुमार ने 84 प्रतिशत लेकर चौथा, नेहा पुत्री राकेश ने 84 प्रतिशत लेकर पांचवा, तो वहीं तनीषा पुत्री अत्तर सिंह ने 83.3 प्रतिशत अंक लेकर छठा स्थान हासिल करके न केवल अपना, बल्कि अपने को माता-पिता के साथ-साथ कॉलेज व क्षेत्र का नाम भी रोशन किया। संस्था अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कला संकाय के इस परीक्षा परिणाम पर सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यदुवंशी कॉलेज में विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर काउंसलिंग पर भी ध्यान दिया जाता है, ताकि विद्यार्थी भविष्य में और बेहतर कर सकें। ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने कहा कि यह परिणाम कॉलेज के शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों की सयुंक्त मेहनत का परिणाम हैं। संस्था वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, डॉ. प्रदीप यादव व समस्त स्टाफ ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। पांच कुंडीय हवन में पहुंचे संतजन। फोटो: हरिभूमि

संत बनने के लिए केवल लाल रंग का कपड़ा तन पर लपेटना काफी नहीं: महंत गोलागिरी

नारनौल। नांगल चौधरी में महंत गोलागिरी ने नौ दिवसीय पांच कुण्डीय हवन यज्ञ के चौथे दिन एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत बनने के लिए केवल लाल रंग का कपड़ा तन पर लपेटने से काफी नहीं है, बल्कि इसके लिए बड़ी कठिन परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। महंत गोलागिरी ने आगे कहा कि पिंड दान संत के लिए सबसे बड़ा त्याग होता है, जो कि अपने जीते जी खुद का श्राद करना होता है। उन्होंने यह भी कहा कि कुंभ के बिना पिंडदान नहीं होता है। इस अवसर पर 51 संतों ने विधि-विधान के साथ मंत्रोचारण के साथ हवन में आहुति डाली। यह एक महत्वपूर्ण आयोजन था, जिसमें संतों ने अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया। महंत गोलागिरी के शब्दों में पिंड दान ही संत की असली परीक्षा है। यह एक ऐसा त्याग है, जो कि संत को अपने जीते जी खुद का श्राद करना होता है। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है, जो कि हमें संतों के जीवन और उनके त्याग के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है।

आने वाली पीढ़ियों के लिए जल की एक-एक बूंद बचाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- जल संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया जल संचय जन भागीदारी अभियान

एसडीएम अनिल कुमार यादव ने उपमंडल के नागरिकों से भू-जल स्तर में सुधार लाने और प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण व संवर्धन के लिए केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित किए जा रहे जल संचय जन भागीदारी अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हुए अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया है। एसडीएम ने कहा है कि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए जल की एक-एक बूंद बचाना जरूरी है। केंद्र सरकार की ओर से जल संचय जन भागीदारी जन जागरूकता की ओर थीम के साथ जल शक्ति अभियान कैच दी रेन के छठे संस्करण की शुरुआत की गई है, जिसे सफल बनाने के लिए सभी मिलकर आगे आएं। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान के तहत जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन, जियो-टैगिंग और सभी जल निकायों की सूची बनाना, वैज्ञानिक संरक्षण योजनाओं की तैयारी, सभी जिलों में जल शक्ति केंद्र स्थापित करना, गहन वनरोपण और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। जल संरक्षण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है। हमें जल की एक-एक बूंद को आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जल संचय जन भागीदारी अभियान की शुरूआत जल संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के साथ-साथ भारत सरकार ने जल शक्ति अभियान, अटल भूजल योजना सहित कई कार्यक्रम लागू किए हैं, जिनका उद्देश्य जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना है। यह सामूहिक प्रयास प्रभावी भागीदारी, टिकाऊ प्रथाओं और व्यापक जागरूकता के माध्यम से भारत के लिए जल-सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दशार्ते हैं।

मां चामुंडा देवी मंदिर में चौकी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मां चामुंडा देवी के मंदिर में माता की चौकी का आयोजन किया गया। इसमें गोवर्धन पटीकरा ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद डा. भीम ने चलो बुलावा आया है व मेरे कंठ बसे महारानी सुनाकर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया।

शिवचरण चौहान ने मैया के दरबार में खुशी मिलती है, आने से मां के आए बहार व जाने से मां के जाए बहार, रामनिवास ने संत की वाणी गाई, बनवारी ने कबीर का भजन सुनाया व वेदप्रकाश सैनी ने मां की महिमा गाई, रामकिशन धोलिया, काशीराम पार्षद, वीरेंद्र ट्रेलर, महेश मस्ताना आदि भक्तों ने अपने भजनों से मैया रानी को रिझाया।

नारनौल। मां चामुंडा देवी।

बेटे के जन्मदिन पर गोवंश के लिए लगाई आनंद रसोई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भाविप शाखा ने अपने प्रकल्प आनंद रसोई के अंतर्गत शुक्रवार को नन्दी गोशाला में आनंद रसोई का आयोजन किया। अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा ने बताया कि गोवंश के लिए आनंद रसोई दीपक दीवान व उनकी पत्नी आशा सैनी ने अपने पुत्र गर्वेन सैनी के प्रथम जन्मदिन पर आयोजित की। संयोजन प्रकल्प संयोजक डा. संजय शर्मा ने किया। शाखा सचिव मुकेश जैन ने बताया कि नन्दी गोशाला रघुनाथपुरा में सैनी परिवार के सौजन्य से गायों के लिए एक पिकअप हरी सब्जी की व्यवस्था की गई। प्रकल्प संयोजक डा. संजय शर्मा व पवन यादव ने कहा कि गोवंश को खिलाया भोजन उत्कृष्ट श्रेणी का पुण्य कार्य माना जाता है। परिषद का यह प्रकल्प गोसेवा के क्षेत्र में महत्तवपूर्ण प्रकल्प है। आयोजक दीपक दीवान व सुरेन्द्र सैनी गिरदावर ने कहा कि आनंद रसोई का आयोजन गायों के लिए करना परिषद का बेहतरीन प्रयास है। राकेश शर्मा व उर्मिला सैनी ने कहा कि ऐसे प्रकल्प प्रति सप्ताह होने चाहिए।

नारनौल। गोवंश को हरी सब्जी खिलाते हुए। फोटो: हरिभूमि

नांगल चौधरी शहर के वार्ड व पहाड़ों की तलहटी पर बसे गांवों में बढ़ा जल संकट

- टैंकरों से महंगा पानी मंगवाने को मजबूर हैं ग्रामीण
- बोरवेलों की कंडम मोटरों को बदलने व वाटर टैंकों की पेयजल सप्लाई को दुरुस्त करें विभागीय अधिकारी : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

विधायक मंजू चौधरी ने सिंचाई, पीडब्ल्यूडी एवं जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की है। उन्होंने गांवों में बोरवेलों की कंडम मोटरों को बदलने व वाटर टैंकों की पेयजल सप्लाई को दुरूस्त करने की हिदायत दी है। कहा कि गर्मियों में पानी की डिमांड बढ़ जाएगी, इसलिए टैंकर सप्लाई का प्रबंध करना अनिवार्य है।

नांगल चौधरी। पानी की सप्लाई के आभाव में सूखी पड़ी सार्वजनिक पेयजल टंकी। *फोटो : हरिभूमि*

इस दौरान उन्होंने वाटर टैंकों की स्टॉरेज क्षमता की जानकारी मांगी है। गर्मी का पीक सीजन शुरू हो गया है, गांवों में पानी की खपत कई गुणा बढ़ गई, लेकिन अभी तक विभाग ने सप्लाई व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया है।

अधिकांश गांवों में विभागीय बोरवेलों की मोटर कंडम हो चुकी है, जो कि पानी सप्लाई का लोड झेलने में सक्षम नहीं। कई बोरवेलों में अच्छे जलस्त्रोत हैं, लेकिन पाइप कम होने के कारण मोटर पानी नहीं उठा पाती है। समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों को गांव वाइज खराब मोटरों को सूचीबद्ध करके तुरंत रिप्लेस करने की प्रक्रिया शुरू करनी है।

नांगल चौधरी शहर के लगभग सभी वार्डों में पेयजल की किल्लत बनी हुई है, लोगों को टैंकरों से महंगा पानी मंगवाना पड़ रहा है।

वार्ड नंबर सात, आठ तथा चार में लोगों को तीन से चार दिन के अंतराल पर पानी सप्लाई मिलती है। अब गर्मियों में भी ऐसी ही लचर सप्लाई बनी रही तो लोगों की दैनिक दनचर्या प्रभावित हो जाएगी। दूसरी तरफ निजामपुर के अधिकाशं गांव पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। पहाड़ की तलहटी पर बसे गांवों में तो लोग पेयजल के लिए इधर उधर भटकने के लिए मजबूर हैं।

सप्लाई लाइनों की लीकेज में व्यर्थ बहता है पानी, रिपेयर करें

विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि शहर के कई वार्डों में पेयजल सप्लाई की लाइनें लीकेज हैं। जिनमें हजारों लीटर पानी व्यर्थ ही बहता है। जिससे लोगों को पर्याप्त पेयजल नहीं मिल पाता और आमरास्तों में मच्छर पनपने की संभावना रहती है। समाधान के लिए विभाग को लीकेजों की रिपेयर पर विशेष फोकस करना चाहिए। जिससे आपूर्ति व्यवस्था में सुधार संभव होगा।

निजामपुर ब्लॉक के गांव को नहरों से जोड़ने का दिया सुझाव

उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को तत्परता से जल संकट का निवारण करने की हिदायत दी है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निजामपुर ब्लॉक के प्रत्येक गांव को नहरों से जोड़ने का एस्टिमेट बनाने का सुझाव दिया है। कहा कि सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी से मुलाकात हुई थी। उन्होंने नलवाटी और दोहान पच्चीसी को नहरी सप्लाई से जोड़ने का आश्वासन दिया है। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को विभिन्न गांवों की क्षतिग्रस्त सड़कों से अवगत कराया है। बैठक में पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यकारी अभियंता अश्वनी कुमार, पंचायत राज विभाग के कार्यकारी अभियंता हरिंद्र सिंह, राजकुमार, जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता फूलसिंह, एसडीओ अजय यादव, दीपक, सिंचाई विभाग के एसई राजेश खत्री, कार्यकारी अभियंता नितिन भार्गव, बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता शिवराज सिंह, एसडीओ लोकेश, हितेश मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

कल मनेगा भाजपा का स्थापना दिवस

मंडी अटेली। भाजपा का स्थापना दिवस छह अप्रैल को स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय अटेली में मनाया जाएगा। जानकारी देते हुए अटेली मंडल के अध्यक्ष मुकेश कुमार गणियार ने बताया कि भाजपा अपना स्थापना दिवस बना रही है, जिसमें बूथ स्तर पर भाजपा पार्टी का ध्वज फहराया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय अटेली में सभी भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित होंगे। उसके बाद भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों को विस्तारपूर्वक बताया जाएगा।

मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना होगी

महेंद्रगढ़। राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में समाजसेवी स्व. लाला बिशन दयाल मेहता व स्व. तारा देवी मेहता की स्मृति में उनके पुत्र विजय कुमार मेहता, डॉ. अजय प्रकाश मेहता व शिवरतन मेहता द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना करवाई जाएगी। शिवरतन मेहता ने बताया कि मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना के कार्यक्रम में महेंद्रगढ़-भिवानी के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे, जबकि पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

पटीकरा में माता की चौकी का आयोजन

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में वीरवार रात को माता रानी की चौकी नवीन यादव के निवास स्थान पर गांव पटीकरा में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव व संरक्षक डा. शिवकुमार यादव ने की। माता रानी की चौकी के मुख्य यजमान नवीन यादव व उनकी पत्नी रहे। कार्यक्रम संयोजक सुनील कुमार, प्रवीण यादव, अरुण सोनी, रवि खन्ना ने बताया कि माता की चौकी में सर्वप्रथम कार्यक्रम पुरोहित पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन किया। यजमान नवीन यादव व उनकी पत्नी ने माता के दरबार में चुनरी चढ़ाई गई।

माता शीतला मंदिर में हुआ भजनोपदेश कार्यक्रम

नांगल चौधरी। नयागांव में माता शीतला जगदंबा मंदिर में भजनोपदेश कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें समाजसेवी डा. गजेसिंह चौपड़ा मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं को सामाजिक एकता में धार्मिक अनुष्ठानों को महता से अवगत कराया। इस दौरान श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण करके उन्हें सामाजिक बुराइयों को मिटाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को श्रेष्ठ दर्जा मिला हुआ है।

लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने का लिया संकल्प

साइक्लोथॉनः 2.0 जिले में 7 को पहुंचेगी पुलिस ने जारी किया रूट डायवर्जन

राज्य के सभी जिलों में साइकिल रैली निकाली जा रही है। इसकी शुरुआत पांच अप्रैल को हिसार से होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश सरकार ने हरियाणा को पूर्ण रूप से नशा मुक्त बनाने व लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने का संकल्प लिया हुआ है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए राज्य के सभी जिलों में साइकिल रैली निकाली जा रही है। इसकी शुरुआत पांच अप्रैल को हिसार से होगी। साइक्लोथॉन 2.0 रैली सात अप्रैल को जिला महेंद्रगढ़ में पहुंचेगी। रैली को लेकर आमजन को यातायात संबंधी किसी समस्या का सामना न करना पड़े। इसके लिए पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। एडवाइजरी के तहत आमजन को सलाह दी गई है कि साइक्लोथॉन 2.0 रैली के लिए प्रशासन व पुलिस की ओर से प्रस्तावित किए गए मार्ग का प्रयोग करने से परहेज करें। वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग कर सकते हैं।

यह रहेगा रूट डायवर्जन प्लानः सात अप्रैल को बाघौत से सेहलंग की तरफ जाने वाले रास्ते पर सभी वाहनों का प्रवेश निषेध रहेगा व सेहलंग से होते हुए मालडा, माजरा खुर्द से होते हुए महेंद्रगढ़ जाने वाले रास्ते पर सभी वाहनों का प्रवेश निषेध रहेगा। सुबह आठ बजे के बाद से सायं चार बजे तक इन रास्तों पर सभी वाहनों का पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। सात अप्रैल को इन रास्तों का प्रयोग करने से बचे, वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। सात अप्रैल को शाम के समय महेंद्रगढ़ से नारनौल जाने वाले रास्ते पर एक तरफ की लाइन बंद रहेगी। वहीं आठ अप्रैल को नारनौल से रेवाड़ी जाने वाले रास्ते पर एक तरफ की सर्विस लाइन बंद रहेगी। इन रास्तों पर भारी वाहनों का प्रवेश निषेध रहेगा। इसलिए सात व आठ अप्रैल को इन मार्गों का प्रयोग न करें, वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

कनीना। बागोत में साइक्लोत्थान यात्रा मार्ग का निरीक्षण करते एसडीएम व बीडीपीओ। *फोटो : हरिभूमि*

एसडीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

महेंद्रगढ़। हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ हिसार से आरंभ हुई साइक्लोथॉन यात्रा सात अप्रैल को महेंद्रगढ़ जिले में प्रवेश करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पांच अप्रैल को हिसार से साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। महेंद्रगढ़ जिला में साइक्लोथॉन रैली के आगमन को भव्य बनाने की तैयारियां आरंभ हो चुकी है। एसडीएम अनिल कुमार यादव ने साइक्लोथॉन रैली की तैयारियों को लेकर लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली और इस आयोजन में युवाओं की भागीदारी अधिक से अधिक करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि महेंद्रगढ़ जिला में साइक्लोथॉन रैली दादरी जिले से होते हुए सात अप्रैल को गांव बाघोत से सेहलग होते हुए महेंद्रगढ़ शहर में प्रवेश करेगी। खेल विभाग, शहर के साइकिल क्लब, पुलिस व राहगीरी संस्था के माध्यम से इस रैली में शामिल होने के लिए साइक्लिस्ट को प्रेरित किया जाए। उन्होंने बताया कि हरियाणा उदय मुहिम को लेकर अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिलावासियों को हरियाणा उदय आनलाइन पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण भी करना चाहिए। उन्होंने साइक्लोथॉन के मार्ग में रिफ्रेशमेंट, मेडिकल टीम, यातायात पुलिस आदि इतंजामों को लेकर भी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सभी तैयारियां पूरी

कनीना। साइक्लोथॉन यात्रा सोमवार को सुबह करीब नौ बजे दादरी जिले से महेंद्रगढ़ जिले में प्रवेश करेगी। जिसके लिए कनीना के एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बागोत पहुंचकर यात्रा मार्ग का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि यात्रा का आगमन चिड़िया बागोत की ओर से होगा। बागोत में स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बागोत के खेल मैदान में रिफ्रेसमेंट होगा। इसके बाद सेहलंग में ठहराव होगा। तदुपरांत बवाना मार्ग से महेंद्रगढ़ के लिए रवाना होगी। उन्होंने इस यात्रा के लिए अधिक से अधिक जन भागीदारी के लिए रणनीति बनाई गई। डा. जितेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत प्रदेश को नशा मुक्त बनाने व युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों को अपनाने के लिए साइक्लोथान यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले के हजारों युवाओं की ओर से पंजीकरण करवाया गया है। जिला प्रशासन जन भागीदारी के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाएगा। यात्रा रूट पर पड़ने वाले प्रत्येक गांव में साइकिलिस्ट का स्वागत किया जाएगा तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के तरीके बताकर उससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। यात्रा के दौरान मोबाइल मंच साथ रहेगा। जिसके माध्यम से पूरी यात्रा के दौरान आमजन को नशा मुक्ति का संदेश दिया जाएगा। उनके साथ बीडीपीओ नवदीप, ग्राम सचिव राजपाल सिंह, सरपंच राजेंद्र मौजूद थे।

रेवाड़ी व दादरी पुलिस से भी पत्राचार

रेवाड़ी व दादरी पुलिस से इस संबंध में अलग से पत्राचार किया जाएगा। जिसमें कहा जाएगा कि सात अप्रैल व आठ अप्रैल को भारी वाहनों को इन रूटों पर न आने दें।

कनीना मंडी में अब तक 43330 क्विंटल की हुई खरीद

- शुक्रवार को हुई 5002 क्विंटल सरसों की खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

मंडी में शुक्रवार को 5002 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। मार्केट कमेटी सचिव विजय सिंह ने बताया कि 5950 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से सरसों खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस की ओर से की जा रही है। खरीद कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए उनकी ओर से लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कनीना मंडी में 25 मार्च सु खरीद शुरू हुई थी, शुक्रवार तक 43330 क्विंटल सरसों की खरीद हो चुकी है। जिसमें से 25 हजार क्विंटल सरसों का उठान किया जा चुका है। जिसे कनीना में ही गुप्ता गोदाम में रखा जा रहा है। सरसों की खरीद नैफेड के लिए एनसीसीएफए नेशनल को ऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन के माध्यम से की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए मार्केट कमेटी की ओर से मंडी गेट पर दो धर्मकांटे संचालित किए गए हैं। जिनका निरीक्षण मापतौल विभाग की ओर से करने के बाद प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इसके अलावा मंडी में साफ सफाई, बिजली पेयजल, टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। सरसों खरीद होने के 72 घंटे के अंतराल में एजेंसी की ओर से किसानों के खाते में राशि डाली जा रही है। दूसरी ओर सरसों के मार्केट रेट भी लगभग एमएसपी से कुछ अधिक होने के चलते अधिकांश किसान खेत में ही व्यापारियों को सरसों बेच रहे हैं। खेतों में सरसों खरीदने के लिए वाहन खड़े देखे जा सकते हैं।

गेहूं की आवक भी हुई शुरू

ईधर पुरानी मंडी में गेहूं की आवक शुरू हो गई है। शुक्रवार को छह किसान 225 क्विंटल गेहूं मंडी में लेकर आए। जिसमें नमी की मात्रा 12 फीसदी से अधिक होने के कारण खरीद नहीं की जा सकी। मार्केट कमेटी के सचिव सचिव विजय सिंह ने बताया कि गेहूं की खरीद पुरानी अनाज मंडी में की जाएगी। जिसके लिए सभी बंदोबस्त किए गए हैं। पोर्टल पर पंजीकृत किसान की ओर से मंडी में फसल लेकर आने पर उन्हें कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। किसान एक एकड़ पर 2425 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 50 क्विंटल गेहूं बेच सकता है।

सिद्ध पीठ मां भूरा भवानी मंदिर में ध्वजायात्रा निकाली

महेंद्रगढ़। नवरात्री के सातवे दिन मां दुर्गा के सातवें स्वरूप कालरात्रि की पूजा की गई। सुबह नौ बजे मंदिर परिसर में हवन करने के बाद दोपहर 12 बजे सिद्ध पीठ माता भूरा भवानी मंदिर में महंत शक्ति नाथ महाराज के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने विशाल ध्वजा यात्रा निकाली, जिसमें सैकड़ों की संख्या मे श्रद्धालुओं ने डीजे के साथ नाचते झूमते हुए मंदिर प्रांगण से शुरू होकर गांव के चारों ओर मुख्य मार्गों से होते हुए मंदिर में ध्वजा यात्रा का समापन किया। इस ध्वजा यात्रा में बिमला, पिंकी, कमला, राजेश, अनिता, रामरति, धोली, रेखा, सुशीला, माया, नगीना, प्रियंका, रितु रिवासा, ममता, सुशीला, इंदिरा, ज्योति, मोनू, फूलवती, कृष्णा, राजबाला, संतोष, लाली, बबली सहित सैकड़ों की संख्या में महिला शामिल रही। मंदिर कमेटी प्रधान संदीप यादव, सचिव मास्टर अनिल मौजूद रहे।

नावदी की डॉ. प्रिया यादव बनी आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर

डॉ. प्रिया यादव

मंडी अटेली। गांव नावदी के हवलदार ओमवीर की पुत्रवधु डॉ. प्रिया यादव ने आयुष विभाग में आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर के रूप में पीएचसी जाटुसाना में कार्यभार ग्रहण किया है। डॉ. प्रिया यादव ने इसका श्रेय दादी मां राजबाला, माता-पिता, सास-ससुर व अपने परिवार व गांव के लोगों को दिया है, जिनके आशीर्वाद व मार्गदर्शन में यह सफलता हासिल की है। इस मौके पर अशोक नावदी ने बताया कि यह हमारे गांव के लिए गर्व का क्षण है। बता दें कि हवलदार ओमबीर सिंह व पिता कबूल सिंह ने भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दी हैं। कबूल सिंह पहलवान ने खुद सेना में भर्ती होकर देश सेवा की उनकी प्रेरणा से प्रभावित होकर उनके परिवार के लोगों ने सेना में बतौर सेना अधिकारी मेजर सुनील यादव, कप्तान ताराचंद, सूबेदार मेजर राजेन्द्र यादव, सेना में डॉक्टर के रूप में सुबेदार के पद पर सेवाएं दे रहे। डॉ. सुरेन्द्र सिंह, सशस्त्र सेना बल में इंस्पेक्टर दशरथ, आईटीबीपी व सीआईएफ आदि में सोमवार को पचेरिया परिवार के लोगों गांव की आबादी के हिसाब से 50 प्रतिशत अपनी सेवाएं राष्ट्र को दे रहे है। डॉ. प्रिया की नियुक्ति पर गांव के लोगों ने बधाई दी है।

साइक्लोथोन 2.0 यात्रा को लेकर रेडक्रॉस भवन में बैठक आयोजित

नारनौल। बैठक में मौजूद रेडक्रॉस ब्रिगेडियर ऑफिसर व काउंसलर। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त डा. विवेक भारती के मार्गदर्शन में जिले में आगामी सात व आठ अप्रैल को होने वाली साइक्लोथोन 2.0 यात्रा को लेकर शुक्रवार को रेडक्रॉस भवन में रेडक्रॉस सचिव बलराज सिंह व डा. एसपी सिंह की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया। जिसमें रेडक्रॉस के डिविजनल कमांडर टेकचंद यादव ने सभी काउंसलर व ब्रिगेड ऑफिसर को साइक्लोथोन 2.0 के रूट के बारे में जानकारी दी व यात्रा के सफल संचालन के लिए रूट वाइज ड्यूटी लगाई।

उन्होंने बताया कि इस यात्रा के लिए कॉलेज के युवा रेडक्रॉस कैडेट की ड्यूटी लगाई गई है। इस मौके पर ब्रिगेड ऑफिसर डा. चंद्र मोहन, प्राचार्य ब्रह्मप्रकाश दहिया, डा. हंसराज गुर्जर, अशोक कुमार, त्रिभुवन वर्मा, डा. जितेंद्र भारद्वाज, डा. अनिल कुमार, रेडक्रॉस से राजकुमार व्यास, सुनीता, जितेंद्र कुमार, संजय योगी सहित अनेक रेडक्रॉस ब्रिगेडियर ऑफिसर व काउंसलर मौजूद थे।

सीएम ने गुर्जर कल्याण परिषद को भेजी 5 लाख की मदद

नारनौल। गुर्जर कल्याण परिषद को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पांच लाख रुपये की सहयोग राशि का अनुदान दिया गया है। यह सहयोग समालखा के विधायक मनमोहन सिंह भडाना के प्रयासों से मिला है। इस सहायता राशि का चेक नारनौल के एसडीएम रमित यादव ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में परिषद के प्रधान कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट को सौंपा। मौके पर कोषाध्यक्ष कुलदीप चंदेला भी मौजूद थे। कुलदीप भरगड़ ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधायल मनमोहन सिंह भड़ाना का आभार प्रकट करते हुए बताया कि भडाना गुर्जर कल्याण परिषद के स्थाई सदस्य हैं और समय-समय पर संस्था का सहयोग करते रहते हैं। इस मौके पर एसडीएम कार्यलय के डीए शक्ति सिंह एवं अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

नारनौल। परिषद के पदाधिकारियों को चेक सौंपते एसडीएम रमित यादव।

कीर्ति छक्कड़ ने प्राप्त की जंतु विज्ञान में पीएचडी की उपाधि

नारनौल। शहर की कीर्ति छक्कड़ ने आईआईएस विश्वविद्यालय जयपुर राजस्थान से जंतु विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। कीर्ति के पिता मनोज छक्कड़ ने बताया कि वनस्थली विश्वविद्यालय से एमएससी व नेट के बाद से ही कीर्ति शोध के क्षेत्र में जाना चाहती थी। परिणाम स्वरूप उसने जयपुर के प्रोफेसर डा. अंजू शर्मा व प्रोफेसर प्रदीप भटनागर के मार्गदर्शन में शोध के व्यापक क्षेत्र न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी व विकासात्मक सर्किट के अंतर्गत शीर्षक स्विस एल्बिनो चूहों में डिब्यूटाइल फथलेट्स और पॉलीस्टाइनिन नैनोप्लास्टिक्स के टेराटोलॉजिकल, प्रजनन और न्यूरोटॉक्सिक प्रभाव शीर्षक पर वर्ष 2020 में शोध शुरू किया तथा इसी वर्ष 2025 में सफलतापूर्वक शोध पूर्ण कर उपाधि प्राप्त की। कीर्ति छक्कड़ के अनुसार यह उपलब्धि पर्यावरण विष विज्ञान व विकासात्मक तंत्रिका विज्ञान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो रासायनिक संदूषकों व नैनोप्लास्टिक्स के बीच परस्पर क्रिया तंत्र पर भविष्य के अध्ययन के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। कीर्ति ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता पिता, परिवार व शिक्षकों को दिया।

पूर्व मंत्री ने शहर में हुई चोरियों को लेकर डीएसपी हेड क्वार्टर से की बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। व्यापारियों से उनके प्रतिष्ठान पर मिलते पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने शहर के परशुराम चौक स्थित मार्केट में हुई चोरियों को लेकर व्यापारियों से उनके प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर मुलाकात की।

गत रोज परशुराम चौक के सुनील कुमार गोयल के श्री श्याम फार्मा, शिवकुमार मेहता की कपड़े की दुकान एवं दीप मैचिंग केंद्र में चोरों ने रात्रि शटर उखाड़कर लाखों रुपये की चोरी कर ली। इस संबंध में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने नारनौल हेड क्वार्टर के डीएसपी हरदीप सिंह से दूरभाष पर बात कर जल्दी चोरों को पकड़ने का अनुरोध किया। इस पर डीएसपी हेडक्वार्टर हरदीप सिंह ने पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को आश्वस्त किया कि शहर में हुई इन चोरिया के चोरों को जल्द ही पकड़कर चोरी का सामान बरामद की जाएगी। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने व्यापारियों को विश्वास और भरोसा दिलाया कि व्यापारियों के साथ कोई भी घटना होती है तो व्यापारी अपने आप को अकेला न समझें, वे व्यापारियों की हर संभव मदद के लिए तैयार है।

पूर्व शिक्षा मंत्री ने बाद में अपने समर्थक राधेश्याम आसोदिया के आवास पर पहुंचकर उनके निधन पर शोक जब व्यक्त किया।

डीसी ने 200 लाभार्थियों को सौंपे राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना के स्वीकृति पत्र

प्रशासन समयबद्धता के साथ लाभार्थियों तक पहुंचा रहा योजनाएं: डीसी

- एक सप्ताह में लाभार्थियों के खाते में पहुंच जाएगी 20-20 हजार रुपए की अनुदान राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने शुक्रवार को डीआरडीए हाल में राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना के तहत 200 लाभार्थियों को 20-20 हजार रुपये की अनुदान राशि के स्वीकृति पत्र वितरित किए। यह राशि अब सभी लाभार्थियों के बैंक खाते में एक सप्ताह के अंदर-अंदर पहुंच जाएगी।

सेवा विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि सरकार अंत्योदय के भाव के साथ इन योजनाओं के माध्यम से गरीब लोगों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। जिला प्रशासन सभी योजनाओं को लाभार्थियों तक समयबद्धता से पहुंचा रहा है। सरकार का मकसद है कि ऐसे परिवारों को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए सहारा दिया जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार विधवा महिला के दो बच्चों तक प्रत्येक बच्चे को 2100 रुपये मासिक पेंशन देती है। अगर किसी लाभार्थी ने इस योजना का फायदा नहीं उठाया है, तो जिला समाज कल्याण अधिकारी से संपर्क करके योजना का लाभ उठाएं। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार के साथ जानकारी दी। कार्यक्रम में मंच संचालन डा. ममता शर्मा ने किया। इस मौके पर जिला कल्याण अधिकारी अनिल यादव, जिला खजाना अधिकारी विपिन यादव के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित करते डीसी डा. विवेक भारती। *फोटो : हरिभूमि*